16. चित्र-वर्णन

बच्चे चित्र देखकर शीघ्र आकर्षित होते हैं तथा चित्रों की बात भी उन्हें आसानी से समझ आ जाती है। चित्रों के वर्णन द्वारा बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता को सरलता से विकसित किया जा सकता है।

- ❖ चित्रों को दिखाकर बच्चों से बातचीत करें। पूछें, चित्र में क्या-क्या हो रहा है? आदि।
- ❖ इससे बच्चों की अवलोकन क्षमता का भी विकास होगा।
- ❖ इसके अभ्यास बच्चों की स्वानुभूति पर आधारित हैं। अतः यह बच्चे स्वयं करेंगे।